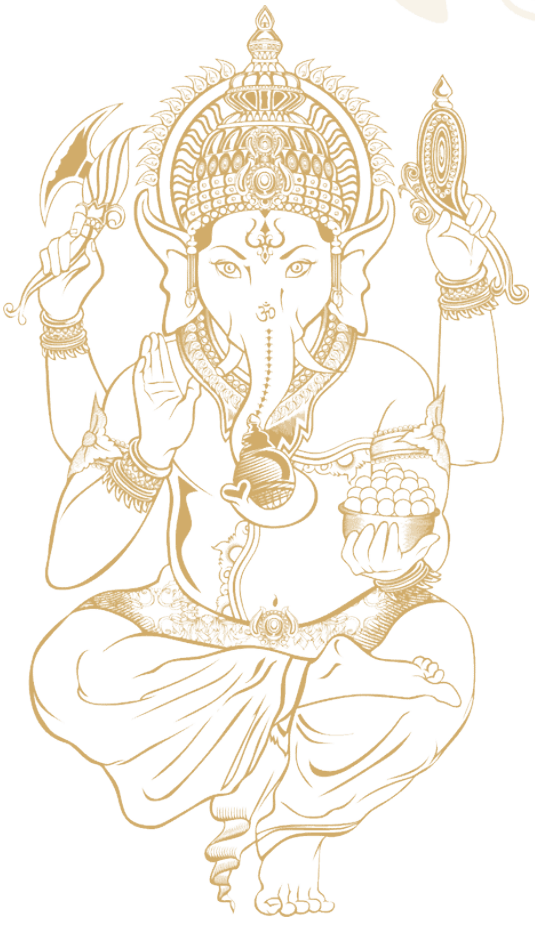

???? ????? ????

10 Jul 2001

05:30 PM

Asansol

Model: web-freekundliweb

Order No: 120979302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/07/2001**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**17:30:00 घंटे**
इष्ट	31:09:41 घटी
स्थान	**Asansol**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	23:40:00 उत्तर
रेखांश	87:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:18:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:48:00 घंटे
वेलान्तर	-00:05:20 घंटे
साम्पातिक काल	13:01:55 घंटे
सूर्योदय	05:02:07 घंटे
सूर्यास्त	18:32:18 घंटे
दिनमान	13:30:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	24:25:06 मिथुन
लग्न के अंश	10:18:34 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सौभाग्य
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सू-सूरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	10:18:34	336:56:51	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			मिथु	24:25:06	00:57:12	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	सम राशि
चंद्र			कुंभ	17:55:59	11:51:55	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	सम राशि
मंगल	व		वृश्चि	21:51:38	00:07:52	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	स्वराशि
बुध			मिथु	03:28:48	00:59:14	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मिथु	05:34:07	00:13:25	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	11:22:07	01:05:55	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	स्वराशि
शनि			वृष	16:09:43	00:06:40	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	12:25:27	00:01:16	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	12:25:27	00:01:16	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		कुंभ	00:18:05	00:01:47	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	14:02:12	00:01:30	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	19:09:17	00:01:14	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कन्या	22:55:16	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:26

लग्न-चलित

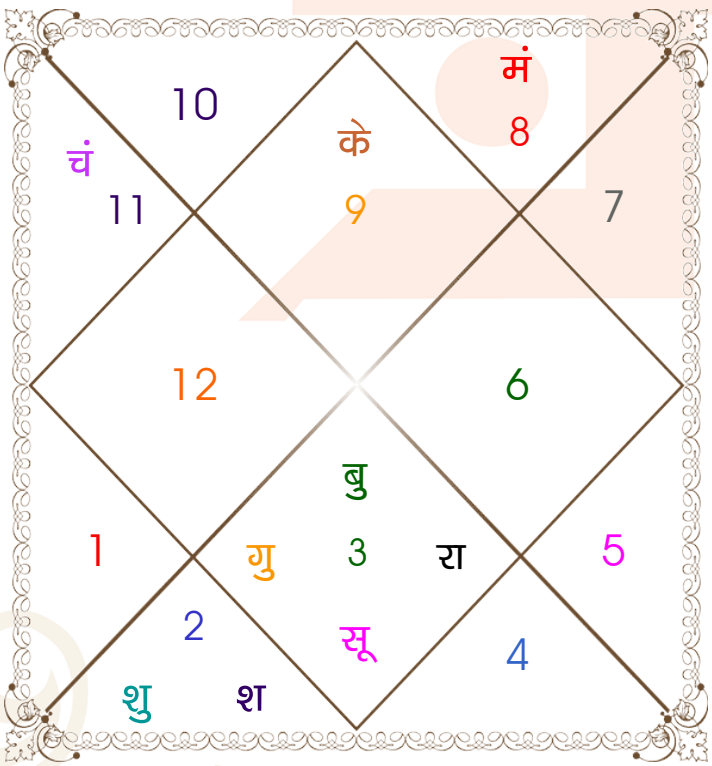

चन्द्र कुंडली

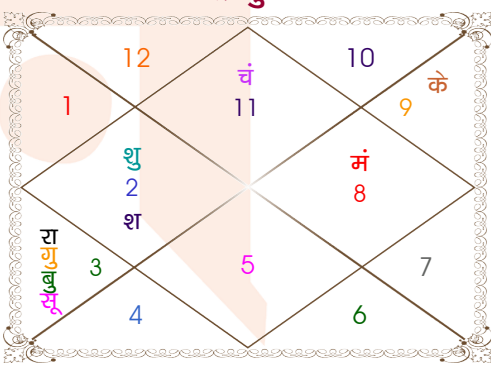

नवमांश कुंडली

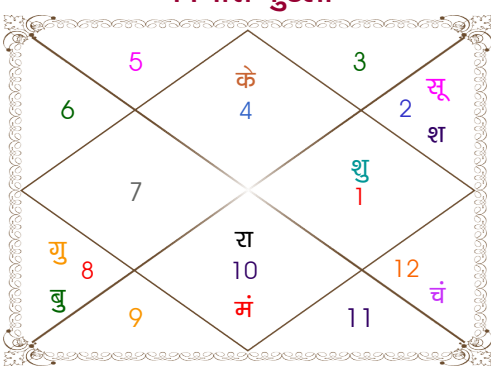

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 2 वर्ष 9 मास 14 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
10/07/2001		24/04/2004		24/04/2020		25/04/2039		24/04/2056	
24/04/2004		24/04/2020		25/04/2039		24/04/2056		25/04/2063	
	00/00/0000	गुरु	13/06/2006	शनि	28/04/2023	बुध	21/09/2041	केतु	21/09/2056
	00/00/0000	शनि	24/12/2008	बुध	05/01/2026	केतु	18/09/2042	शुक्र	21/11/2057
	00/00/0000	बुध	01/04/2011	केतु	14/02/2027	शुक्र	19/07/2045	सूर्य	29/03/2058
	00/00/0000	केतु	07/03/2012	शुक्र	16/04/2030	सूर्य	25/05/2046	चंद्र	28/10/2058
	00/00/0000	शुक्र	06/11/2014	सूर्य	29/03/2031	चंद्र	25/10/2047	मंगल	26/03/2059
	10/07/2001	सूर्य	25/08/2015	चंद्र	27/10/2032	मंगल	21/10/2048	राहु	12/04/2060
सूर्य	06/10/2001	चंद्र	24/12/2016	मंगल	06/12/2033	राहु	10/05/2051	गुरु	19/03/2061
चंद्र	07/04/2003	मंगल	30/11/2017	राहु	12/10/2036	गुरु	15/08/2053	शनि	28/04/2062
मंगल	24/04/2004	राहु	24/04/2020	गुरु	25/04/2039	शनि	24/04/2056	बुध	25/04/2063

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/04/2063		25/04/2083		25/04/2089		25/04/2099		26/04/2106	
25/04/2083		25/04/2089		25/04/2099		26/04/2106		00/00/0000	
शुक्र	25/08/2066	सूर्य	13/08/2083	चंद्र	23/02/2090	मंगल	21/09/2099	राहु	06/01/2109
सूर्य	25/08/2067	चंद्र	11/02/2084	मंगल	24/09/2090	राहु	10/10/2100	गुरु	02/06/2111
चंद्र	25/04/2069	मंगल	18/06/2084	राहु	25/03/2092	गुरु	16/09/2101	शनि	08/04/2114
मंगल	25/06/2070	राहु	13/05/2085	गुरु	25/07/2093	शनि	26/10/2102	बुध	25/10/2116
राहु	25/06/2073	गुरु	01/03/2086	शनि	23/02/2095	बुध	23/10/2103	केतु	13/11/2117
गुरु	24/02/2076	शनि	11/02/2087	बुध	25/07/2096	केतु	20/03/2104	शुक्र	12/11/2120
शनि	25/04/2079	बुध	19/12/2087	केतु	23/02/2097	शुक्र	20/05/2105	सूर्य	11/07/2121
बुध	23/02/2082	केतु	24/04/2088	शुक्र	25/10/2098	सूर्य	25/09/2105		00/00/0000
केतु	25/04/2083	शुक्र	25/04/2089	सूर्य	25/04/2099	चंद्र	26/04/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 2 वर्ष 9 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।